दलम से एक कट्टर माओवादी कैडर के भागने की सूचना के बाद, रेंज फिल्ड टीम (आरएफटी) द्वारा एक गुप्त अभियान की योजना बनाई गई और उप कमाण्डेन्ट (आसूचना), रेंज फिल्ड टीम, गडचिरोली द्वारा रेंज फिल्ड टीम में कार्यरत आसूचना कार्मिक को माओवादी कैडर का पता लगाने और उसे आत्मसमर्पण करने हेतु लिए प्रेरित करने और मनाने के लिए विशिष्ट कार्य सौंपा गया, जिसका पर्यवेक्षण श्री. जगदीश नारायण मीणा, उप महानिरीक्षक, परिचालन रेंज केरिपुबल गडचिरोली के नेतृत्व में किया गया।

उप कमाण्डेन्ट (आसूचना), रेंज फिल्ड टीम, गडचिरोली की देखरेख में रेंज फिल्ड टीम के कार्मिक द्वारा 15 दिनों के लगातार प्रयासों के पश्चात, दिनांक 28/05/2024 को एक कट्टर माओवादी कैडर गणेश गट्टा पुनेम (उप कमांडर, भैरमगढ एरिया कमेटी सप्लाई टीम), उम्र 35 वर्ष, निवासी –बेचापाल, तहसील–भैरमगढ, जिला–बीजापुर (छतीसगढ) ने सरकार की आत्म समर्पण निति से प्रेरित होकर श्री. जगदीश नारायण मीणा, उप महानिरीक्षक, परिचालन रेंज केरिपुबल, गडचिरोली के समक्ष आत्मसमर्पण किया। महाराष्ट्र सरकार ने उसकी गिरफ्तारी पर 06 लाख रूपये का ईनाम घोषित किया था। बाद में, उक्त माओवादी कैडर को विस्तृत पूछताछ के लिए पुलिस अधीक्षक, गडचिरोली पुलिस को सौंप दिया गया।

इनामी नक्सली का आत्मसमर्पण

छग के अनेक हिंसाचार में था शामिल, पुनर्वास के लिए मिलेगी राशि

■ **गड़चिरोली, ब्यूरो.** छत्तीसगढ़ राज्य के हिंसक गतिविधियों के साथ विभिन्न मुठभेड़ में शामिल व महाराष्ट्र सरकार से 6 लाख के इनामी नक्सली ने मंगलवार को गड़चिरोली में केंद्रीय आरक्षित पुलिस दल के समक्ष आत्मसमर्पण किया. आत्मसमर्पित नक्सली का नाम छत्तीसगढ़ राज्य के बिजापुर जिले के बेच्चापाल निवासी गणेश गट्टा पुनेम (35) है. गणेश पुनेम वर्ष 2017 में छत्तीसगढ़ के भैरमगड़ क्षेत्र के नक्सलियों की आपूर्ति समिति में सदस्य के रूप में सहभागी हुआ. वर्ष 2018 में उसकी उसी समिति के उपकमांडर पद पर नियुक्ति हुई. तब से वह इस पद पर कार्यरत था. वर्ष 2017 में छत्तीसगढ़ के मिरतूर तथा वर्ष 2022 में तिम्मेनार में हुई मुठभेड़ में वह शामिल रहा. गणेश पुनेम ने केंद्रीय आरक्षित पुलिस दल के पुलिस उपमहानिरीक्षक जगदीश मीणा के समक्ष आत्मसमर्पण किया. इसके बाद उसे गड़चिरोली जिला पुलिस की ओर सौंपा गया. इस समय केंद्रीय आरक्षित पुलिस दल के कमांडेंट नितिन कुमार की प्रमुखता से उपस्थिति थी. गणेश पुनेम ने आत्मससमर्पण करने से सरकार ने उसे पुरस्कार घोषित किया है. आत्मसमर्पण के बाद पुनर्वास के लिए केंद्र व राज्य सरकार की ओर से उसे 5 लाख रूपये का पुरस्कार घोषित किया गया है.

अब तक 14 नक्सलियों ने किया सरेंडर

गड़चिरोली पुलिस दल ने व्यापक प्रभावी रूप से नक्सल विरोधी अभियान चलाए जाने से तथा सरकार ने नक्सलियों को आत्मसमर्पण का मौका उपलब्ध कराने से वर्ष 2022 से वर्ष 2024 इस कालावधि में अबतक कुल 14 कुख्यात नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है.

हिंसा छोड़कर शांति का मार्ग अपनाएं

विकास कार्यों में बाधा निर्माण करने वाले नक्सलियों पर सक्षम रूप से कार्रवाई करने के लिए जिला पुलिस दल तत्पर है. जिन नक्सलियों को विकास के मुख्य प्रवाह में आने की इच्छा है, उन्हें लोकतंत्र में सम्मान का जीवन जीने के लिए गड़चिरोली पुलिस दल सभी स्तर से मदद कर रहा है. नक्सली हिंसा का मार्ग छोड़कर शांति का मार्ग स्वीकारें.

नीलोत्पल, पुलिस अधीक्षक.